पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः आषाढ़ 10, 1944
शुक्रवारः 01 जुलाई 2022

डीआरडीओ ने ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डेमनस्ट्रेटर की पहली सफल उड़ान का संचालन किया

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डेमनस्ट्रेटर की पहली उड़ान 01 जुलाई 2022 को कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज से सफलतापूर्वक संचालित की। पूर्णतया स्वायत्त रूप से काम करते हुए, विमान ने एक आदर्श उड़ान का प्रदर्शन किया, जिसमें टेक-ऑफ, वे पॉइंट नेविगेशन और एक स्मूथ टचडाउन शामिल है। यह उड़ान भविष्य के मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के मामले में प्रभावशाली है और इस तरह की रणनीतिक रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मानव रहित हवाई विमान को एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीई), बेंगलुरु, डीआरडीओ की एक प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशाला द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह एक छोटे टर्बोफैन इंजन द्वारा संचालित है। विमान के लिए उपयोग किए जाने वाले एयरफ्रेम, अंडरकैरिज और पूरी उड़ान नियंत्रण तथा वैमानिकी प्रणाली को स्वदेशी रूप से विकसित किया गया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ को बधाई दी और कहा कि यह स्वायत्त विमानों की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है और महत्वपूर्ण सैन्य प्रणालियों के संदर्भ में 'आत्मनिर्भर भारत' का मार्ग प्रशस्त करेगा।

रक्षा विभाग अनुसंधान एवं विकास के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ॰ जी सतीश रेड्डी ने प्रणाली के डिजाइन, विकास और परीक्षण से जुड़ी टीमों के प्रयासों की सराहना की।

एबीबी/ डीके/डीएस/आरपी